कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- आईईए का अनुमान है कि 2024 में तेल की मांग में वृद्धि धीमी होकर प्रति दिन 1 मिलियन बैरल होने का अनुमान है, जो उसके पिछले पूर्वानुमान से 150,000 बैरल/दिन कम है।
- अमेरिकी पूर्वानुमानकर्ताओं के अनुसार सर्दियों के दौरान अलनीनो के प्रबल होने की 95% संभावना है। 95% से अधिक संभावना है कि अल नीनो की स्थिति दिसंबर 2023 से फरवरी 2024 तक बनी रहेगी।
- कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार अतिरिक्त गेहूं, चावल को खुले बाजार में उतारेगी। केंद्र ने अतिरिक्त 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल खुले बाजार में उतारने का फैसला किया है।
- सरकार ने जुलाई में 'भारत दाल' ब्रांड नाम के तहत सब्सिडी वाली चना दाल की बिक्री की घोषणा की थी। उपभोक्ताओं को सस्ती कीमत पर दाल उपलब्ध कराने के लिए 1 किलो का पैक 60 प्रति किलो और 30 किलो का पैक 55/किग्रा की दर से बेचा गया है। 'भारत दाल' का वितरण नाफेड, एनसीसीएफ, केन्द्रीय भंडार और सफल की खुदरा दुकानों के माध्यम से किया जा रहा है।
- जुलाई में चीन में तांबे का उत्पादन 15% प्रति वर्ष बढ़कर 890,000 टन हो गया- एंटाइके।
- आरबीआई मौद्रिक नीति समिति ने प्रमुख नीतिगत रेपो दर को 6.5% पर अपरिवर्तित रखा है। वित्त वर्ष-24 में भारत की जीडीपी 6.5% बढ़ने की संभावना है।
- केंद्रीय बैंक ने कहा कि दुनिया के शीर्ष तांबा उत्पादक चिली में जुलाई में तांबें का निर्यात 3.36 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो एक साल पहले की तुलना में 2.8% कम है।
- ऊर्जा सूचना प्रशासन की एक मासिक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 850,000 बैरल प्रतिदिन बढ़कर रिकॉर्ड 12.76 मिलियन बैरल/दिन होने का अनुमान है।
- पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ने कहा कि 2024 में विश्व स्तर पर तेल की मांग 2. 25 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ जाएगी, जबकि 2023 में प्रति दिन 2.44 मिलियन बैरल की वृद्धि होगी।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	04.08.23	10.08.23	बदलाव (%)
ग्वारगम	11409.00	12417.00	8.84%
ग्वारसीड	5649.00	5976.00	5.79%
कॉटनऑयलसीडकेक	2537.00	2611.00	2.92%
धान	4137.00	4207.00	1.69%
बाजरा	2022.00	2044.00	1.09%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	04.08.23	10.08.23	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	222.20	238.00	7.11%
कच्चा तेल	6814.00	6833.00	0.28%
मेंथा ऑयल	892.80	893.00	0.02%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	04.08.23	10.08.23	बदलाव (%)
कैस्टर	6289.00	6179.00	-1.75%
जीरा	62495.00	61420.00	-1.72%
कैस्टर ऑयल	1283.50	1263.50	-1.56%
सीसेमसीड	18250.00	18030.00	-1.21%
कपास	1578.00	1570.50	-0.48%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	04.08.23	10.08.23	बदलाव (%)
निकल	1810.70	1773.50	-2.05%
तांबा	740.25	727.30	-1.75%
सोना पेटल	5940.00	5889.00	-0.86%
सोना एम	59355.00	58913.00	-0.74%
एल्युमीनियम	203.60	202.30	-0.64%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी इंडेक्स में पिछले सप्ताह के निचले स्तर से रिकवरी हुई जिसका मुख्य कारण ऊर्जा और अन्य कमोडिटीज में मजबूत प्रदर्शन था। डॉलर इंडेक्स के मजबूत होने से बुलियन की कीमतें फिसल गईं। सोने की तुलना में चांदी का प्रदर्शन कमजोर रहा, जिसमें लगातार चौथे सप्ताह गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। इससे संकेत मिलता है कि सोना अधिक लचीला है और संभवत: मौजूदा बाजार स्थितियों में इसे सुरक्षित-संपत्ति के रूप में देखा जा रहा है। नेचुरल गैस की कीमतें स्थिरता के दायरे से बाहर निकल गई, जिससे नेचुरल गैस बाजार में संभावित बदलाव का संकेत मिला। यह ब्रेकआउट बढ़ती मांग या बदलती आपूर्ति का संकेत दे सकता है। कच्चे तेल की कीमतों के कारण एक बार फिर मुद्रास्फीति के बारे में चर्चा शुरू हो गई है क्योंकि हम जानते हैं कि तेल की बढ़ती कीमतें व्यापक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति को बढ़ाने में योगदान कर सकती हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। शीर्ष निर्यातक सऊदी अरब ने अपने स्वैच्छिक उत्पादन में प्रति दिन 1 मिलियन बैरल की कटौती को सितंबर सहित एक अन्य महीने के लिए बढ़ाने की योजना बनाई है। रूस ने यह भी कहा कि वह सितंबर में तेल निर्यात में 300,000 बैरल/दिन की कटौती करेगा। इस कमोडिटी कॉम्प्लेक्स के सबसे बड़े खिलाड़ी चीन के कमजोर आंकड़ों के कारण अधिकांश बेस मेटल में गिरावट के साथ कारोबार हुआ। चीन की उपभोक्ता कीमतें अपस्फीति में गिर गईं, जबकि देश में आयात और निर्यात दोनों जुलाई में उम्मीद से कहीं अधिक कम हो गए। पिछले महीने देश के तांबे के आयात में भी गिरावट आई। दुनिया के सबसे बड़े तांबा आयातक की कमजोरी ने तांबें की कमजोर मांग पर चिंता बढ़ा दी है, खासकर दुनिया भर में आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण।

कृषि क्षेत्र में, अरंडी की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। गुजरात में अरंडी के क्षेत्र में वृद्धि की रिपोर्टों के कारण इस बाजार में मंदी का सेंटीमेंट बना हुआ है। अरंडी की बुआई गतिविधियाँ सकारात्मक रूप से चल रही हैं क्योंकि 4 अगस्त तक पूरे भारत में लगभग 4.12 लाख हेक्टेयर में अरंडी की बुआई की गई थी, जबकि पिछले वर्ष 2.89 लाख हेक्टेयर में बुआई की गई थी। मांग में सुधार के कारण कॉटनऑयलसीडकेक की खरीदारी में बढ़ोतरी हुई। ग्वार की कीमतों में जोरदार बढ़ोतरी हुई, क्योंकि राजस्थान में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण फसल की प्रगति को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण इस काउंटर के लिए यह एक अच्छा सप्ताह बन गया। राजस्थान में बुआई क्षेत्र में गिरावट आई है क्योंकि 4 अगस्त तक 26.91 लाख हेक्टेयर में ग्वार की बुआई हुई है जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में 29.7 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। हल्दी में उल्लेखनीय तेजी दर्ज की गई जिससे बाजार में गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता पर ध्यान आकर्षित हुआ। चल रही बुआई और फसल की प्रगति हल्दी की कीमतों में तेजी के लिए प्रमुख कारक है और दक्षिणी एवं मध्य क्षेत्र में शुष्क मौसम के पूर्वानुमान ने हल्दी की फसलों के लिए चिंताएँ बढ़ा दी हैं। लेकिन, धनिया की कीमतें थोड़ी बढ़त के साथ सीमित दायरे में कारोबार कर रही हैं। जीरा की कीमतों में तेजी पर विराम लग गया, जो वैश्विक बाजार में सीरियाई जीरा की सस्ती उपलब्धता के कारण मूल्य वृद्धि में अस्थायी गिरावट का संकेत दे रहा है।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	04.08.2023	10.08.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	1,849.10	1,855.80	0.36%
चना	दिल्ली	5,535.20	5,718.15	3.31%
धनिया	कोटा	7,836.05	7,615.75	-2.81%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	821.85	800.35	-2.62%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1,440.40	1,437.35	-0.21%
ग्वारसीड	जोधपुर	5,731.90	6,063.25	5.78%
ग्वारगम	जोधपुर	11,755.85	12,837.60	9.20%
जीरा	ऊंझा	62,183.70	61,741.30	-0.71%
सरसों	जयपुर	5,950.15	5,934.10	-0.27%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	966.50	947.50	-1.97%
सोयाबीन	इंदौर	5,148.95	5,133.20	-0.31%
हल्दी	निजामाबाद	14,234.35	14,543.05	2.17%
गेहूं	दिल्ली	2,517.40	2,532.70	0.61%
कॉटन	कड़ी	28,205.85	28,683.90	1.69%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2,517.60	2,625.70	4.29%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	04.08.2023	10.08.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2232.50	2204.00	-1.28%
तांबा	LME	नकद	8573.00	8386.00	-2.18%
लेड	LME	नकद	2127.50	2136.50	0.42%
निकल	LME	नकद	21310.00	20441.00	-4.08%
जिंक	LME	नकद	2504.00	2457.00	-1.88%
सोना	COMEX	अक्टूबर	1946.90	1920.10	-1.38%
चांदी	COMEX	सितम्बर	23.72	22.82	-3.77%
लाइट क्रूड	NYMEX	सितम्बर	82.82	82.82	0.00%
नेचुरल गैस	NYMEX	सितम्बर	2.58	2.76	7.22%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	04.08.2023	10.08.2023	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	सितम्बर	14.44	14.12	-2.22%
सोया तेल	CBOT	सितम्बर	65.39	64.18	-1.85%
कॉटन	ICE	दिसम्बर	84.29	86.15	2.21%
सीपीओ	BMD	अक्टूबर	3,859.00	3,728.00	-3.39%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	03.08.2023 क्वांटिटी	10.08.2023 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	0	0	0
मक्का	मी.टन	0	0	0
कैस्टर सीड	मी.टन	8749	11442	2693
चना	मी.टन	12424	12678	254
धनिया	मी.टन	18264	20746	2482
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	17032	16949	-83
ग्वारगम	मी.टन	20852	22260	1408
ग्वारसीड	मी.टन	126	96	-30
जीरा	मी.टन	5706	5682	-24
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉन्ग	मी.टन	632	622	-10
हल्दी	मी.टन	1391	1899	508

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	03.08.2023 क्वांटिटी	10.08.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	820	612	-208
तांबा	मी.टन	495733	385338	-110395
सोना	किग्रा	670	606	-64
सोना मिनी	किग्रा	2824	2824	0
सोना गिनी	किग्रा	350400	208200	-142200
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	97135	80351	-16783
चांदी एम	किग्रा	40502	40387	-116
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 04.08.2023	स्टॉक की स्थिति 10.08.2023	अंतर
एल्युमीनियम	501325	496150	-5175.00
तांबा	79325	83000	3675.00
निकल	37044	36924	-120.00
लेड	56525	55875	-650.00
जिंक	91650	91575	-75.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	सितम्बर	62625.00	14.03.23	तेजी	32000.00	61200.00	-	61000.00
NCDEX	हल्दी	अक्टूबर	16844.00	06.04.23	तेजी	7035.00	16650.00	-	16600.00
NCDEX	ग्वारसीड	सितम्बर	6101.00	28.06.23	तेजी	5350.00	5850.00	-	5800.00
NCDEX	कैस्टरसीड	सितम्बर	6250.00	15.06.23	तेजी	5750.00	6030.00	-	6000.00
NCDEX	स्टील लांग	सितम्बर	45270.00	30.01.23	मंदी	50000.00	-	46450.00	46500.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	सितम्बर	2625.00	02.08.23	तेजी	2400.00	2430.00	-	2400.00
MCX	मेंथा ऑयल	अगस्त	878.50	14.03.23	मंदी	1015.00	-	897.00	900.00
MCX	**बुलडेक्स**	**अगस्त**	**15724.00**	**07.08.23**	**मंदी**	**15900.00**	**-**	**16050.00**	**16100.00**
MCX	**चांदी**	**सितम्बर**	**69981.00**	**07.08.23**	**मंदी**	**72000.00**	**-**	**72950.00**	**73000.00**
MCX	**सोना**	**अक्टूबर**	**58853.00**	**07.08.23**	**मंदी**	**59200.00**	**-**	**59700.00**	**59800.00**
MCX	**तांबा**	**अगस्त**	**728.70**	**07.08.23**	**मंदी**	**740.00**	**-**	**745.00**	**748.00**
MCX	लेड	अगस्त	183.55	13.07.23	साइडवेज	182.00	178.00	187.00	-
MCX	**जिंक**	**अगस्त**	**221.20**	**08.08.23**	**मंदी**	**222.00**	**-**	**228.50**	**230.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**अगस्त**	**200.40**	**08.08.23**	**मंदी**	**201.00**	**-**	**209.00**	**210.00**
MCX	कच्चा तेल	अगस्त	6873.00	12.07.23	तेजी	6050.00	6430.00	-	6400.00
MCX	**नेचुरल गैस**	**अगस्त**	**228.60**	**07.08.23**	**तेजी**	**225.00**	**204.00**	**-**	**200.00**

*10/08/2023 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी। उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

कच्चा तेल (अगस्त) एमसीएक्स

कच्चा तेल (अगस्त) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 7028.00** **निचला स्तर: 5574.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 10 अगस्त 2023 को 6873.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6159.78 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 65.779 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

6600.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 7100.00 रू के टारगेट के लिए 6750.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कॉटनऑयलसीडकेक (सितम्बर) एनसीडीईएक्स

कॉटनऑयलसीडकेक(सितम्बर)एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 2661.00** **निचला स्तर: 2303.00**

एनसीडीईएक्स में कॉटनऑयलसीडकेक (सितम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 10 अगस्त 2023 को 2625.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 2534.46 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 82.52 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

2520.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 2800.00 रू के टारगेट के लिए 2600.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

तांबा (अगस्त) एमसीएक्स

तांबा (अगस्त) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 757.75** **निचला स्तर: 705.25**

एमसीएक्स में तांबा (अगस्त) कॉन्ट्रैक्ट 10 अगस्त 2023 को 728.70 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 729.645 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 38.269 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

740.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 705.00 रू के टारगेट के लिए 730.00 रू के नीचे बिकवाली की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

बाजार में अच्छी गुणवत्ता वाली उपज के लिए आक्रामक खरीदारी के कारण पिछले सप्ताह हल्दी की कीमतों में बढ़त बरकरार रही। मजबूत निर्यात मांग और फसल की प्रगति के लिए मौसम की चिंताओं से कीमतों में मजबूती दर्ज की गई। हल्दी की अधिक कीमतें मिलने के कारण आवक बढ़ी है, लेकिन बाजार में गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता के कारण कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहीं। अप्रैल 23 के बाद से अब तक वार्षिक आधार पर हल्दी की कुल आवक अधिक रही है, क्योंकि पिछले वर्ष के 187 हजार टन के मुकाबले वर्ष 2023 में समान अवधि के दौरान लगभग 208 हज़ार टन हल्दी की आवक हुई। आने वाले दिनों में हल्दी के लिए चल रही बुआई और फसल की प्रगति कीमतों के प्रमुख निर्धारक हो सकते है। दक्षिणी और मध्य क्षेत्र में शुष्क मौसम के पूर्वानुमान के कारण हल्दी की फसलों के लिए चिंताएँ बढ़ा दी हैं । बुआई के समय मानसून की चिंताओं के कारण वर्ष 2023 में हल्दी का उत्पादन क्षेत्र 15-20% कम होने का अनुमान है। तकनीकी रूप से, जुलाई-23 के मध्य से कीमतें आरएसआई के अधिक खरीददारी के क्षेत्र में बढ़ रही हैं और किसी भी समय मुनाफावसूली होने की संभावना है, जब तक कि कीमतें 18000 के स्तर को पार न कर लें। हल्दी (अक्टूबर) कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में 14500-14000 रू तक गिरावट हो सकती है । लेकिन यदि कीमतें 18000 के स्तर को पार करती है तो 20000 के स्तर पर पहुंचने की संभावना है।

भारतीय जीरा की निर्यात मांग कमजोर होने के बीच मुनाफावसूली के कारण जीरा वायदा की कीमतों में गिरावट हुई। पाइप लाइन सूखने के कारण जीरा में अभी भी तेजी का रुझान बना हुआ है। आपूर्ति की कमी को लेकर मौजूदा चिंताओं से आगे कीमतों में मजबूती को समर्थन मिलने की संभावना है। कीमतों में फिर से तेजी की उम्मीद में किसान और स्टॉकिस्ट अपना स्टॉक जारी करने से हिचक रहे हैं। कम उत्पादन के कारण पाइपलाइन समाप्त हैं और जब तक नई फसल बाजार में नहीं आती, स्टॉक कम रहने की संभावना है। अप्रैल-मई के लगातार दो महीनों में निर्यात पिछले साल के 23 हजार टन की तुलना में बढ़कर 47 हजार टन हो गया। प्रमुख खरीदारी चीन से हुई क्योंकि वहां कम फसल के बीच बढ़ती मांग के कारण चीन ने भारत से जीरा आयात बढ़ गया। चीन ने अप्रैल-मई-23 में लगभग 22.8 हजार टन जीरा आयात किया, जबकि पिछले वर्ष यह केवल 3.2 हज़ार टन आया किया था। वर्ष 2023 में बांग्लादेश, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात भारतीय जीरा के प्रमुख खरीदार रहे हैं। जीरा वायदा(सितंबर) की कीमतों के 64000-61000 के दायरे में रहने की संभावना है।

मुख्य रूप से निर्यात मांग बढ़ने के कारण धनिया वायदा (सितंबर)की कीमतों में तेजी की संभावना है। रूस के यूक्रेन के साथ अनाज समझौते से बाहर निकलने के कारण काला सागर से आपूर्ति में गिरावट की उम्मीद है, जिससे वैश्विक आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है और भारतीय कीमतों को समर्थन मिला है। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समयावधि के दौरान पिछले वर्ष के 6.23 हजार टन के मुकाबले लगभग 35.4 हजार टन का निर्यात किया। वर्ष 2023 में चीन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान भारतीय धनिये के प्रमुख खरीदार रहे हैं। अधिक उत्पादन के कारण अप्रैल, 2023 से अब तक धनिया की कुल आवक अधिक रही है, लेकिन अधिकांश स्टॉक स्टॉकिस्टों के हाथ में है और वे प्रचलित कीमतों पर स्टॉक जारी करने को लेकर अनिच्छुक हैं। धनिया की कीमतें 7000-7900 के दायरे में रहने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

मध्य क्षेत्र में फसल की प्रगति को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण कपास की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है। मौसम की स्थिति शुष्क रही है और अगस्त-23 में फसल के लिए प्रतिकूल रहने की संभावना है, जिससे बाजार के सेंटीमेंट को समर्थन मिलेगा। वर्ष 2023 में 4 अगस्त तक पूरे भारत में कपास का क्षेत्रफल 119.2 लाख हेक्टेयर था, जबकि पिछले वर्ष यह 120.9 लाख हेक्टेयर था। लेकिन, सूती धागे की बेहतर मांग और कपास स्टॉक की सीमित उपलब्धता से नुकसान पर लगाम लगने की संभावना है। एमसीएक्स पर कॉटन (अगस्त) की कीमतों के 59000-61000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1530-1600 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

बाजार में आपूर्ति कम होने के कारण कॉटनसीडऑयलकेक वायदा की कीमतों में तेजी की संभावना है। अन्य ऑयलमील की कीमतों में बढ़ोतरी और कपास के तहत उत्पादन क्षेत्र में गिरावट की रिपोर्ट से कॉटनसीडऑयलकेक के बाजार के सेंटीमेंट को समर्थन मिलने की संभावना है। कॉटनसीडऑयलकेक(सितंबर) वायदा की कीमतों के 2450-2800 के दायरे में रहने की संभावना है।

मुनाफावसूली के कारण ग्वारसीड (सितंबर) वायदा में गिरावट की संभावना है क्योंकि कीमतों के 6000 के स्तर से ऊपर जाने पर भौतिक मांग कम हो गई है। लेकिन, आगामी सीजन के लिए कमजोर उत्पादन संभावनाओं के कारण नुकसान सीमित होने की संभावना है। राजस्थान में बुआई क्षेत्र में गिरावट हुई है क्योंकि 4 अगस्त तक ग्वार के तहत 26.91 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी, जबकि पिछले वर्ष 29.7 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतें 5850-6850 के दायरे में कारोबार करेंगी, जबकि ग्वारगम की कीमतों के 11400-15000 के दायरे में रहने की संभावना है।

नई फसल की आपूर्ति बढ़ने से मेंथा ऑयल (अगस्त) वायदा की कीमतों में गिरावट की संभावना है। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर नई फसल की आपूर्ति बढ़ गई है, जबकि मेन्थॉल की निर्यात मांग कम होने के कारण स्टॉकिस्टों की मांग सुस्त है। मेंथा ऑयल की कीमतों के 830-910 के बीच कारोबार करने की संभावना है।

गुजरात में अरंडी के उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि की रिपोर्ट के कारण अरंडी की कीमतों में गिरावट की संभावना है। बुआई गतिविधियां बेहतर गति से चल रही हैं क्योंकि 4 अगस्त तक पूरे भारत में लगभग 4.12 लाख हेक्टेयर में अरंडी की बुआई हुई है, जबकि पिछले वर्ष 2.89 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी। इसके अलावा, अरंडी तेल की कमजोर मांग से भी निकट अवधि में कीमतों पर दबाव रह सकता है। लेकिन गुजरात में मौजूदा मौसम की अनिश्चितता से गिरावट सीमित रह सकती है। अरंडी (सितम्बर) वायदा की कीमतों के 6000-6550 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों में कमी के कारण सोने की कीमतें एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई, जबकि अमेरिकी डॉलर और बांड यील्ड में मजबूती के कारण सर्राफा की कीमतों में सात में अपने सबसे खराब साप्ताहिक गिरावट हुई है। इस सप्ताह सोने की कीमतों में लगभग 1.4% की गिरावट हुई क्योंकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स और 10-वर्षीय ट्रेजरी बांड की यील्ड में लगातार चौथी साप्ताहिक वृद्धि दर्ज की गई है। रॉयटर्स द्वारा सर्वेक्षण किए गए बांड रणनीतिकारों के अनुसार, स्पष्ट संकेतों के बावजूद कि फेड जल्द ही किसी भी समय दर में कटौती पर विचार करने के लिए अनिच्छुक है, अमेरिकी ट्रेजरी की यील्ड आने वाले महीनों में कम हो जाएगी, जिन्होंने कहा कि 10 साल की यील्ड अपने उच्चतम स्तर पर फिर से नहीं आएगी। अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में पिछले महीने 0.2% की वृद्धि हुई, जो जून की वृद्धि के बराबर है। वार्षिक दर 3.2% रही, लेकिन रॉयटर्स के पूर्वानुमान 3.3% से कम थी। आंकड़ों के बाद, व्यापारियों ने अनुमान लगाया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीति निर्माताओं द्वारा 2023 में फिर से ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना नहीं है और संभवत: अगले साल की शुरुआत में उनमें कटौती शुरू हो जाएगी। फिलाडेल्फिया फेड के अध्यक्ष पैट्रिक हार्कर ने कहा है कि फेड मुद्रास्फीति को कम करने की अपनी लड़ाई में प्रगति कर रहा है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था 'वाटरशेड मोमेंट' पर पहुंच गई है। फ्रांसिस्को फेड बैंक मैरी डेली ने कहा कि हाल के मुद्रास्फीति आंकड़ें सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कॉमेक्स पर सोने की कीमत 1920 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब कारोबार रही है, और 1890 डॉलर के स्तर के सपोर्ट स्तर से नीचे टूटने पर कीमतें 1860 डॉलर तक पहुँच जाएँगी जबकि छोटी अवधि में रेजिस्टेंस 1960 डॉलर के पास देखा जा रहा है। चांदी का चार्ट नकारात्मक दिख रहा है और 20.890-23. 900 डॉलर के बीच कारोबार कर सकता है। इस सप्ताह में सोने की कीमतों में नरमी की संभावना है और कीमतें 56900-60000 के दायरे में कारोबार कर सकती है। चांदी में गिरावट जारी रह सकती है और 67500-73100 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्प्लेक्स

सऊदी अरब और रूस द्वारा शुरू की गई लगातार उत्पादन कटौती के कारण नवंबर 2022 के बाद से कच्चे तेल की कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है, जिससे आपूर्ति की उपलब्धता को लेकर आशंकाएं बढ़ गई। ऊर्जा सूचना प्रशासन की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वृद्धि को अधिक बढ़ावा मिला, जिसमें गैसोलीन और डिस्टीलेट ईंधन के भंडार में गिरावट दर्ज की गई। ओपेक उत्पादक समूह ने वैश्विक आर्थिक विकास के लिए उम्मीदों को भी बढ़ा दिया है। सउदी अरब और रूस द्वारा उत्पादन में कटौती के विस्तार के साथ-साथ काला सागर क्षेत्र में रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष की संभावना, जिससे रूसी तेल निर्यात को खतरा हो सकता है, से आपूर्ति की आशंकाओं के कारण कीमतों में तेजी आई है। दुनिया के शीर्ष निर्यातक सऊदी अरब ने अपने स्वैच्छिक उत्पादन में 1 मिलियन बैरल प्रति दिन की कटौती को सितंबर के अंत तक बढ़ा दिया। रूस ने भी कहा कि वह सितंबर में तेल निर्यात में प्रति दिन 300,000 बैरल की कटौती करेगा। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने हाल ही में कमजोर व्यापक आर्थिक स्थितियों, महामारी के बाद कम होती रिकवरी और इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते चलन का हवाला देते हुए आने वाले वर्ष में तेल की मांग में वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को संशोधित किया है। आने वाले सप्ताह में कीमतों में बढ़ोतरी जारी रह सकती है, लेकिन तेजी बहुत अधिक नहीं रह सकती है और कीमतें 6410-7150 के दायरे में कारोबार कर सकती है। ऑस्ट्रेलियाई श्रम विवाद से नेचुरल गैस की कीमतों को झटका लगा, कीमतें फरवरी 2023 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलियाई ऊर्जा कंपनियों और उनके कर्मचारियों के बीच विवाद के कारण नेचुरल गैस के खरीदार दुनिया के सबसे बड़े ईंधन निर्यातकों में से एक से आपूर्ति में संभावित कटौती के लिए तैयार हैं। इस सप्ताह में नेचुरल गैस की कीमतों में एक दायरे में उतार-चढ़ाव की उम्मीद है जहां कीमतों को 210 के करीब समर्थन मिल सकता है और 250 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है।

बेस मेटल

चीन में कमजोर मांग की चिंताओं के कारण बेस मेटल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं। क्योंकि चीन में प्रॉपर्टी ऋण के मुद्दे ने रियल एस्टेट रिकवरी के बारे में संदेह पैदा कर दिया है। इस साल से पहले कर्ज में डूबे चीन के सबसे बड़े प्रॉपर्टी डेवलपर कंट्री गार्डन ने कहा है कि उसका कर्ज पहली छमाही में 7.6 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है और वह अपने कर्ज दायित्वों को पूरा करने के लिए कदम उठाएगा। चीन के प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों ने भी दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध फिर से बढ़ने की आशंका को बढ़ा दिया है। लेकिन, उपभोक्ता कीमतों में गिरावट और चीन में फैक्ट्री गेट की कीमतों में गिरावट से यह उम्मीद बढ़ गई है कि बीजिंग नीतिगत प्रोत्साहन को बढ़ावा देगा। तांबें की कीमतें 710-740 के दायरे में कारोबार कर सकती है। सीमा शुल्क आंकड़ों से पता चलता है कि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था में कमजोर मांग और अधिक वैश्विक कीमतों के कारण जुलाई में चीन का तांबा आयात एक साल पहले की तुलना में 2.7% कम हो गया। चीन की मैनुफैक्चरिंग गतिविधि में जुलाई में लगातार चौथे महीने गिरावट हुई और इसके औद्योगिक मुनाफे में इस साल की दोहरे अंकों की गिरावट की गति छठे महीने तक बढ़ गई, जिससे तांबे की मांग में कमी आई। जिंक की कीमतें 212-227 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। एलएमई प्रणाली में निकट अवधि की आपूर्ति में कमी के संकेत के कारण एलएमई नकद की तुलना में तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर छूट अगस्त की शुरुआत में प्रीमियम पर पहुंच गई। लेड की कीमतें 178-187 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 195-205 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। एक्सचेंज की वेबसाइट पर मौजूद आंकड़ों से पता चलता है कि बाजार में उपलब्ध एलएमई अनुमोदित गोदामों में रूसी मूल के एल्युमीनियम का स्टॉक जून के 80% से बढ़कर जुलाई में कुल 81% हो गया। चीन के कंस्ट्रक्शन क्षेत्र द्वारा कमजोर मांग के कारण स्टील लॉन्ग (अगस्त) की कीमतों के कमजोर रुझान के साथ 43500-45200 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीदारी.....डॉलर से मुक्ति का प्रयास

सदियों से राष्ट्रों के वित्तीय भंडार में सोना एक आवश्यक घटक रहा है, और इसकी मांग 1990 और 2000 के दशक से सोने के प्रति दृष्टिकोण में आमूलचूल बदलाव दिखा रही है, जब केंद्रीय बैंकों ने, विशेष रूप से पश्चिमी यूरोप के, जिनके पास बहुत अधिक सोना है, एक वर्ष में सैकड़ों टन सोने की बिक्री की है । 2008-09 के वित्तीय संकट के बाद से, यूरोपीय बैंकों ने सोने की बिक्री बंद कर दी और रूस, तुर्की और भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की ओर से अधिक मात्रा में सोने की खरीद होने लगी। सेंट्रल बैंक की खरीद इस तथ्य को उजागर कर रही है कि सोना मौद्रिक प्रणाली में एक बहुत ही महत्वपूर्ण संपत्ति है।

सोने के साथ वैश्विक केंद्रीय बैंकों का आश्चर्यजनक मधुर संबंध

- जैसे-जैसे सोने की कीमत आसमान छू रही है, बाजार में इस कीमती धातु के प्रति उत्साह बरकरार है, खासकर दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के बीच, जिन्होंने इस साल की पहली छमाही में अपनी खरीदारी बढ़ा दी है।
- डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 में, केंद्रीय बैंकों ने अपने भंडार में लगभग 70 बिलियन डॉलर मूल्य का 1,136 टन सोना बढ़ाया है, जो 1950 के बाद से एक रिकॉर्ड है।
- डब्ल्यूजीसी के अनुसार 2023 की पहली छमाही में, केंद्रीय बैंकों ने 386.9 मीट्रिक टन सोना खरीदा, जो 2000 से पहले के आंकड़ों के अनुसार जनवरी-जून की किसी भी अवधि की तुलना में अधिक है। लेकिन अप्रैल और जून के बीच वैश्विक स्तर पर शुद्ध खरीदारी कुल 103 टन रही (तिमाही-दर-तिमाही 64% कम और वर्ष-दर-वर्ष 35% कम)।
- डब्ल्यूजीसी ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा कि छह केंद्रीय बैंकों ने जून में सोना खरीदा, जबकि बाजार में केवल दो विक्रेता थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुद्ध खरीद कुल 55 टन रही। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने भी जून में 21 टन सोना खरीदने के बाद बाजार पर अपना दबदबा बना लिया है, जिससे उसकी खरीदारी का सिलसिला लगातार आठ महीनों तक बढ़ गया है। जून के अंत में इसका स्वर्ण भंडार कुल 2,113 टन (कुल भंडार का 4%) था।
- सिंगापुर का मौद्रिक प्राधिकरण पहली छमाही के दौरान दूसरा सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने 73 टन सोने की खरीददारी की । उसके बाद नेशनल बैंक ऑफ पोलैंड था, जिसने 48 टन सोना खरीदा। पहली छमाही में छह अन्य खरीदारों ने काफी कम खरीदारी की।
- भारतीय रिजर्व बैंक का वित्तीय वर्ष 2023 में सोने का भंडार 794.64 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जो वित्तीय वर्ष 2022 की तुलना में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि है, जब उसके पास 760.42 मीट्रिक टन सोना था।

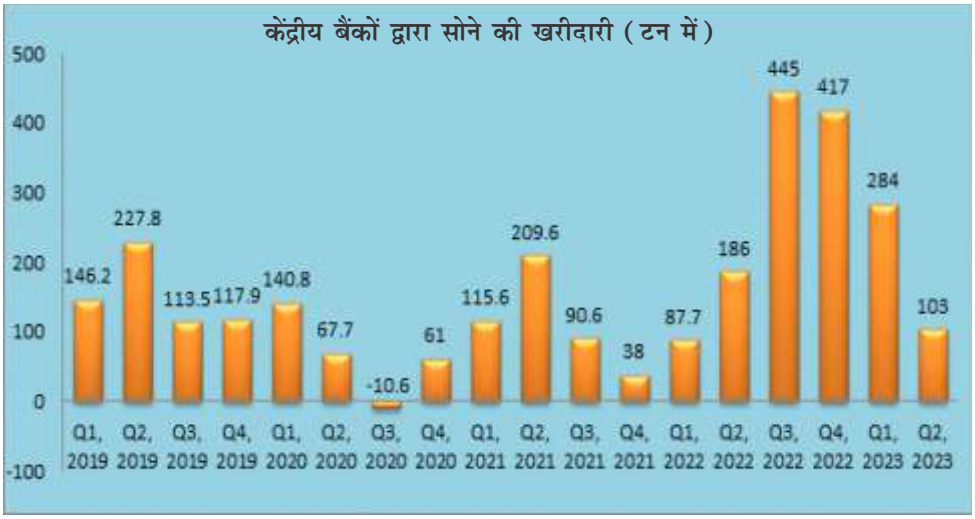

स्रोतः वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल

केन्द्रीय बैंकों द्वारा खरीददारी में तेजी क्यों

- भू-राजनीतिक अनिश्चितता और उच्च मुद्रास्फीति सोने की अधिक खरीददारी का प्रमुख कारण है।
- अपने रिजर्व से डॉलर की हिस्सेदारी को कम करना वैश्विक केंद्रीय बैंकों की सोने की खरीद के पीछे प्रमुख कारणों में से एक है, क्योंकि उनका लक्ष्य बाहरी जोखिमों को कम करने के लिए मुद्रा के रूप में सोने का उपयोग करना है।
- फिच रेटिंग्स द्वारा हाल ही में अमेरिका की रेटिंग में गिरावट के बीच, डॉलर की हिस्सेदारी को कम करने की कवायद को और गति मिल सकती है। केंद्रीय बैंकों द्वारा भंडार के रूप में रखे गए अमेरिकी डॉलर भंडार का हिस्सा कम होकर 58 प्रतिशत हो गया, जो 25 वर्षों में सबसे निचला स्तर है।
- आईएमएफ ने कहा कि वैश्विक भंडार में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी में गिरावट जारी रहेगी क्योंकि उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्था वाले केंद्रीय बैंक अपने भंडार की मुद्रा संरचना में अधिक विविधता लाना चाहते हैं।
- चूंकि सोने में कोई क्रेडिट या विपरीत जोखिम नहीं होता है, इसलिए यह एक देश में और सभी आर्थिक वातावरण में विश्वास के स्रोत के रूप में कार्य करता है, जिससे यह सरकारी बॉन्ड के साथ-साथ दुनिया भर में सबसे महत्वपूर्ण आरक्षित संपत्ति में से एक बन जाता है।
- वैश्विक शेयर बाजारों के साथ ही डॉलर में अस्थिता या गिरावट को देखते हुए केन्द्रीय बैंक हेज के रूप में अपने रिजर्व में सोने की बढ़ोतरी कर रहे हैं क्योंकि वे दोबारा 2008 जैसे संकट में पड़ना नही चाहते हैं।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।